सत्यमेव जयते

മലയാളം ഭാഷാപ്രവേശിക

मलयालम भाषा प्रवेशिका

MALAYALAM PRIMER

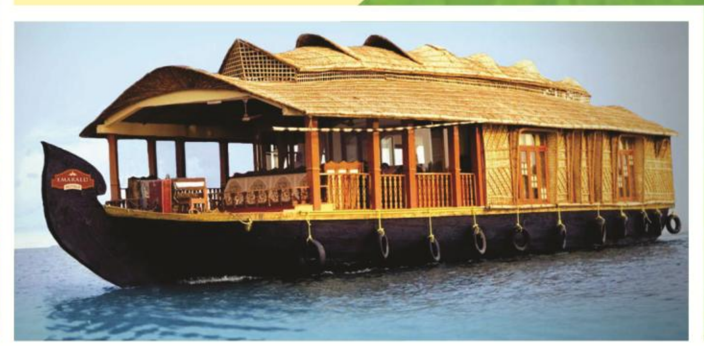

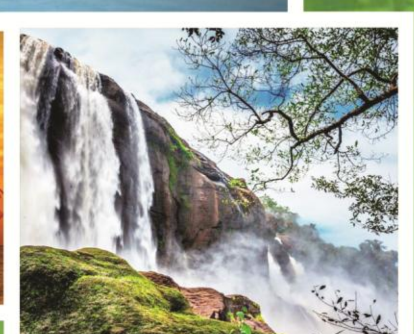

CIIL-NCERT Primer Series

ई-पाठशाला

क्यूआर (QR) कोड से संबद्ध ई-सामग्री प्राप्त करने के लिए उपयोगकर्ताओं के लिए चरणबद्ध मार्गदर्शिका

प्रत्येक अध्याय के पहले पृष्ठ पर स्थित कोड बॉक्स को क्विक रिस्पांस कोड – क्यूआर (QR) कोड कहते हैं। यह आपको अध्याय में दिए गए विषयों से संबंधित ई-सामग्री, जैसे ऑडियो, वीडियो, मल्टीमीडिया, पाठ्य-सामग्री आदि को प्राप्त करने में सहायता करेगा। पहला क्यूआर कोड संपूर्ण ई-पाठ्यपुस्तक प्राप्त करने के लिए है और प्रत्येक अध्याय में दिए गए क्यूआर कोड उस अध्याय से संबंधित ई-सामग्री प्राप्त करने में मदद करेंगे। यह प्रक्रिया आपको आनंदपूर्ण तरीके से सीखने में मदद करेगी।

अपने मोबाइल फ़ोन या टेबलेट द्वारा निम्नवत् चरणों का पालन कर और ई-पाठशाला के माध्यम से ई-सामग्री प्राप्त करें।

1. प्ले स्टोर से ई-पाठशाला स्कैनर एप इंस्टॉल करें और इसे खोलें
2. क्यूआर कोड स्कैनिंग विंडो को तैयार रखें
3. स्कैनर से क्यूआर कोड को स्कैन करें
4. लिंक को सिलेक्ट एवं क्लिक करें
5. उपलब्ध ई-सामग्री का प्रयोग करें

डेस्कटॉप या लैपटॉप पर ई-पाठशाला द्वारा ई-सामग्री प्राप्त करने के लिए नीचे दिए गए चरणों का पालन करें—
https://epathshala.nic.in/topics.php पर जाएँ और क्यूआर कोड के नीचे दिए गए एल्फान्यूमेरिक कोड को दर्ज करें।

दीक्षा

दीक्षा एप को गुगल प्लेस्टोर से डाउनलोड करें फिर नीचे दिए गए चरणों का पालन करें। **दीक्षा** का उपयोग करते हुए आप अपने स्मार्टफोन या टेबलेट से ई-सामग्री प्राप्त करें।

1. अपनी पसंदीदा भाषा का चयन करें
2. अपनी भूमिका चुनें—शिक्षक या विद्यार्थी
3. पहुँच प्रदान करें और एप को अनुमति दें
4. क्यूआर कोड को स्कैन करने के लिए टैप करें
5. कैमरा पाठ्यपुस्तक के क्यूआर कोड पर फोकस करें
6. क्लिक करके क्यूआर कोड से संबद्ध ई-सामग्री प्ले करें

डेस्कटॉप या लेपटॉप पर दीक्षा का उपयोग करते हुए ई-सामग्री प्राप्त करने के लिए नीचे बताए गए चरणों का पालन करें—
https://diksha.gov.in/resources पर जाएँ और क्यूआर कोड के नीचे दिए गए एल्फान्यूमेरिक कोड को दर्ज करें।

" जैसे हमारे जीवन को हमारी मां गढ़ती है, वैसे ही मातृभाषा भी हमारे जीवन को गढ़ती है। आजादी के 75 साल बाद भी कुछ लोग ऐसे मानसिक द्वन्द्व में जी रहे हैं, जिसके कारण उन्हें अपनी भाषा, अपने पहनावे, अपने खान-पान को लेकर एक संकोच होता है। जबकि विश्व में कहीं और ऐसा नहीं है। हमारी मातृभाषा है, हमें उसे गर्व के साथ बोलना चाहिए। और हमारा भारत तो भाषाओं के मामले में इतना समृद्ध है कि उसकी तुलना ही नहीं हो सकती। हमारी भाषाओं की सबसे बड़ी खूबसूरती यह है कि कश्मीर से कन्याकुमारी तक, कच्छ से कोहिमा तक सैकड़ों भाषाएं, हजारों बोलियाँ एक दूसरे से अलग लेकिन एक दूसरे में रची-बसी हुई हैं। भाषा अनेक पर भाव एक। सदियों से हमारी भाषाएं एक दूसरे से सीखते हुए खुद को परिष्कृत करती रही हैं। एक दूसरे का विकास कर रही हैं।"

श्री नरेंद्र मोदी

माननीय प्रधानमंत्री, भारत

(27 फरवरी, 2022; मन की बात कार्यक्रम में)

മലയാളം ഭാഷാപ്രവേശിക

मलयालम भाषा प्रवेशिका

MALAYALAM PRIMER

भारतीय भाषा संस्थान
Central Institute of Indian Languages
(Department of Higher Education, Ministry of Education, GoI)
Manasagangotri, Mysuru - 570 006
Ph: 0821 2515820 (Director)
email: ada-ciilmys@gov.in

विद्यया ऽमृतमश्नुते
एन सी ई आर टी
NCERT

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
National Council of Educational Research and Training
Sri Aurobindo Marg
New Delhi - 110016
Ph: 011 2696 2580
email: dceta.ncert@nic.in

മലയാളം ഭാഷാപ്രവേശിക

मलयालम भाषा प्रवेशिका

MALAYALAM PRIMER

A basal reader of Malayalam alphabet and basic numerals for the kids of Balvatika/Anganwadi levels and adult literacy programmes through andragogy, prepared by Central Institute of Indian Languages (CIIL), Mysuru and National Council of Educational Research and Training (NCERT), New Delhi.

Editors
Dinesh Prasad Saklani
Shailendra Mohan
Ramanujam Meganathan

ISBN: 978-81-971106-2-7

First Edition: December, 2024

Published by CIIL, Mysuru in collaboration with NCERT, New Delhi.

© CIIL & NCERT 2024
All rights reserved. No part of this primer may be reproduced, stored in a retrieval system, or transmitted into any form or by any means, electronic, mechanical, photocopying and recording or otherwise, without the prior permission of the publisher.

Cover Design: Saravanan A S
Cover Photo: Malayalam Resource Persons

Printed by CIIL, Mysuru and NCERT, New Delhi.

धर्मेन्द्र प्रधान
ଧର୍ମେନ୍ଦ୍ର ପ୍ରଧାନ
Dharmendra Pradhan

सत्यमेव जयते

आज़ादी का अमृत महोत्सव

शिक्षा मंत्री
भारत सरकार
Minister of Education
Government of India

संदेश

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, भारतीय भाषाओं में शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया को स्कूल और उच्चतर शिक्षा के प्रत्येक स्तर के साथ एकीकृत करने की आवश्यकता पर बल देती है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति की सिफारिशों के अनुरूप ही बुनियादी स्तर की राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2022, तीन वर्ष से आठ वर्ष तक की आयु-वर्ग के बच्चों के लिए मातृभाषा/घरेलू भाषा/स्थानीय भाषा/क्षेत्रीय भाषा में शिक्षण कार्य को दृष्टिगत रखकर तैयार की गई है। अनेकानेक शोधों के माध्यम से भी यही निष्कर्ष निकाला गया है कि जब विद्यार्थियों को उनकी मातृभाषा/ घरेलू भाषा/स्थानीय भाषा/क्षेत्रीय भाषा में अनुदेशन दिया जाता है तब उनका शिक्षण-अधिगम अपेक्षाकृत उत्तम होता है। इसलिए भारत सरकार ने बाल वाटिका, आद्य साक्षरता तथा बुनियादी साक्षरता की शुरुआत की है। देश के विभिन्न भागों का दौरा करते हुए तथा वहाँ के शिक्षकों एवं बच्चों से बातचीत करते समय हमें इस बात का बोध हुआ कि भारत की विभिन्न भाषाओं तथा मातृभाषाओं में भाषा शिक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण पुस्तकों की तत्काल आवश्यकता है।

अतः हमने एनसीईआरटी, नई दिल्ली तथा भारतीय भाषा संस्थान, मैसूरु को देश की सभी भाषाओं तथा मातृभाषाओं में ऐसी प्रवेशिकाओं का निर्माण करने हेतु उत्प्रेरित किया जो न केवल वैज्ञानिक विधि से अक्षर-पहचान के साथ पढ़ना और लिखना सीखने में मदद करें, बल्कि बच्चों को वहाँ के सांस्कृतिक पहलुओं का ज्ञान भी करवाएँ। अपनी भाषा तथा संस्कृति का ज्ञान आत्मनिर्भरता तथा विकास की ओर पहला कदम होता है।

ये प्रवेशिकाएँ राष्ट्रीय शिक्षा नीति और राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा के अनुसार स्थानीय सामग्री के उदाहरण प्रस्तुत करते हुए तैयार की गई हैं। इन प्रवेशिकाओं की मदद से बच्चे अपनी भाषाओं तथा मातृभाषाओं की ध्वनियों, वर्णों, शब्दों एवं वाक्य विन्यास के साथ-साथ संबंधित राज्य की राजभाषा तथा सभ्यता एवं संस्कृति का भी बुनियादी ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे। इन पहलों के माध्यम से हमारे बच्चे भारतीय ज्ञान-परम्परा की समृद्ध विरासत से भी परिचित होंगे। डिजिटल प्रारूप में ये सभी प्रवेशिकाएँ बच्चों, शिक्षकों तथा अभिभावकों को पूर्णतः निःशुल्क रूप से भी उपलब्ध होंगी।

इस अवसर पर मैं समिति के सदस्यों, विशेषज्ञों और भाषा शिक्षकों को हार्दिक धन्यवाद देता हूँ, जिन्होंने इन प्रवेशिकाओं को तैयार करने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। मुझे विश्वास है कि ये प्रवेशिकाएँ माननीय प्रधानमंत्री जी के 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने में अत्यधिक उपयोगी साबित होंगी।

(धर्मेन्द्र प्रधान)

सबको शिक्षा, अच्छी शिक्षा

MOE - Room No. 301, 'C' Wing, 3rd Floor, Shastri Bhavan, New Delhi-110 001, Phone : 91-11-23782387, Fax : 91-11-23382365
E-mail : minister.sm@gov.in

संजय कुमार, भा.प्र.से
सचिव

Sanjay Kumar, IAS
Secretary

सत्यमेव जयते

भारत सरकार
शिक्षा मंत्रालय
स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग
Government of India
Ministry of Education
Department of School Education & Literacy

संदेश

मनुष्य की सभ्यता और संस्कृति को आकार देने में भाषा महत्वपूर्ण भूमिका निर्वाह करती है। भाषा एक समूह की विशेषताओं को परिभाषित करने के साथ-साथ एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक ज्ञान संचार का माध्यम भी है। भाषा सभ्यता को आगे बढ़ाने और मनुष्य को अधिक उन्नत स्थिति तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। भाषा के माध्यम से विज्ञान और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के रूप में प्रसारित ज्ञान देश भर के सभी बच्चों तक पहुँचाया जा सकता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 और बुनियादी स्तर की राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा-2022, तीन वर्ष से आठ वर्ष तक के आयु-वर्ग के बच्चों के लिए मातृभाषा/घरेलू भाषा/स्थानीय भाषा/क्षेत्रीय भाषा में सीखने-सिखाने पर बल देती है। भारतीय भाषाओं के प्रोत्साहन के उद्देश्य से एनसीईआरटी, नई दिल्ली तथा भारतीय भाषा संस्थान, मैसूर के अथक् प्रयासों के परिणामस्वरूप भारतीय भाषाओं में सीखने सिखाने हेतु प्रवेशिकाओं का विमोचन किया जा रहा है। ये प्रवेशिकाएँ मातृभाषा आधारित बहुभाषी शिक्षा को बढ़ावा देने और बच्चो में विभिन्न अवधारणाओं की समझ विकसित करने में सहायक होंगी। साथ ही राज्यों और शैक्षिक एजेंसियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बन सकेगी। हमारे लिए इन प्रवेशिकाओं को शिक्षकों, अभिभावकों, शिक्षाविदों तथा अन्य हितधारकों तक पहुँचाना गर्व की बात है।

इस अवसर पर मैं प्रवेशिकाओं के निर्माण से जुड़े सभी सदस्यों, विशेषज्ञों एवं विभिन्न भाषायी शिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त करता हूँ, जिनके बहुमूल्य योगदान से इन प्रवेशिकाओं को विकसित करना संभव हो पाया है। मुझे विश्वास है कि इन प्रवेशिकाओं से विद्यार्थियों, शिक्षकों, शिक्षक-प्रशिक्षकों, प्रशासकों, अभिभावकों, प्रधानाध्यापकों और शिक्षा के अन्य हितधारक लाभान्वित होंगे।

(संजय कुमार)

124 'सी' विंग, शास्त्री भवन, नई दिल्ली–110001
124 'C' Wing, Shastri Bhawan, New Delhi-110001
Telephone: +91-11-23382587, +91-11-23381104 Fax : +91-11-23387589
E-mail: secy.sel@nic.in

प्राक्कथन

भाषा अभिव्यक्ति का माध्यम तो है ही, संस्कृति का एक उपादान भी है। भाषा समुदाय की पहचान होती है और पीढ़ियों के लिए ज्ञान के संचरण का स्रोत भी। भाषा सभ्यता के विकास को प्रेरित करती है और मानव को उच्चतर स्तर पर रूपांतरित भी करती है। यह तथ्य कि भारत एक बहुभाषिक देश है- एक ओर भारत की भाषिक विविधता एवं समृद्धि को दर्शाता है तो दूसरी ओर यह भी बताता है कि कैसे यह एक सामाजिक विविधता है। इससे यह भी स्पष्ट होता है कि लगभग सभी भारतीय सही अर्थों में द्विभाषिक या बहुभाषिक हैं। हम जानते हैं कि भारत की 2011 की जनगणना में 121 भाषाओं और 270 मातृभाषाओं/बोलियों की सूची दी गई है। भारत के संविधान के खंड XVII और 8वीं अनुसूची की 343 से 351 तक की धाराएँ देश की भाषाओं से संबंधित हैं। बच्चों का सामाजिक एवं संज्ञानात्मक विकास भाषा के द्वारा समृद्ध होता है, क्योंकि समाजीकरण का कार्य मातृभाषा अथवा परिवार एवं पड़ोस की भाषा में होता है। यह एक स्थापित तथ्य है कि बच्चों में भाषाओं को सीखने की जन्मजात क्षमता होती है। अतः राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2023 में विद्यालयी शिक्षा के प्रारंभिक दिनों (आधारभूत चरण) में शिक्षा हेतु माध्यम के रूप में मातृभाषा के उपयोग और मातृभाषा-आधारित शिक्षा पर अत्यधिक बल दिया गया है।

विद्यालयों में बच्चों की मातृभाषा की उपलब्धता को सुनिश्चित करना और यह देखना कि बच्चे किसी अपरिचित भाषा में शिक्षा-प्राप्ति के भय से मुक्त हों- यह किसी भी सफल शिक्षा-व्यवस्था के शाश्वत सिद्धांत हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में भाषा खंड को 'बहुभाषिकता और भाषा की शक्ति' का शीर्षक दिया गया है जो बहुत ही सटीक है तथा यह विद्यालयी शिक्षा में सभी भाषाओं के विकास के महत्व पर बल देता है। भारत सरकार देशभर में मातृभाषा-आधारित शिक्षा प्रदान करने के लिए कटिबद्ध है और विभिन्न पहलों एवं परियोजनाओं के माध्यम से इसे लागू करने हेतु सतत प्रयास कर रही है। बच्चों की घर की भाषा में शिक्षा की यह सशक्त नींव न केवल भविष्य में विद्यालयी एवं उच्चतर शिक्षा को सबल बनाने में सहायक होगी बल्कि इसका एक उद्देश्य यह भी है कि बच्चे अन्य भाषाओं को सीखने के लिए भी प्रेरित हों।

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् (एनसीईआरटी) एवं भारतीय भाषा संस्थान (सीआईआईएल) द्वारा संयुक्त रूप से तैयार प्रवेशिकाओं (प्राइमर) का लक्ष्य छोटे बच्चों या भाषा सीखने वाले किसी अन्य व्यक्ति को मुद्रित एवं दृश्य माध्यम से भाषाओं से परिचित बनाना है। इन प्रवेशिकाओं का विकास विलुप्ति का खतरा झेल रही अनेक भाषाओं के दस्तावेजीकरण के प्रयासों में भी अपना योगदान दे रहा है। अतः भाषाओं का संरक्षण और विकास करना तथा सभी भाषाओं को विद्यालय में लाकर विद्यालयी शिक्षा, विशेषकर इसके निर्माणात्मक वर्षों को समावेशी बनाना प्रत्येक व्यक्ति का दायित्व है। कहने की आवश्यकता नहीं कि यह भारतीय संविधान की समानाधिकारवादी लोकतंत्र की आत्मा के अनुरूप है और प्रत्येक समुदाय एवं व्यक्ति के भाषिक अधिकारों का सुदृढ़ीकरण है। मुझे विश्वास है कि ये प्रवेशिकाएँ राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में परिकल्पित बहुभाषिक शिक्षा की अवधारणा को प्रोत्साहन प्रदान करेंगी। साथ ही अनेक जनजातीय, अल्पसंख्यक एवं अल्पप्रयुक्त भाषाओं में अंतर्वस्तु के विकास का मार्ग भी प्रशस्त करेंगी तथा एनसीईआरटी द्वारा आधारभूत चरण हेतु विकसित अन्य सामग्रियों जैसे-बालवाटिका, विद्या प्रवेश आदि के लिए सहायक सामग्री का कार्य करेंगी।

शिक्षकों, अभिभावकों एवं बच्चों की शिक्षा के लिए कार्य करने वाले शिक्षाविदों के हाथों में इन प्रवेशिकाओं को देते हुए मैं माननीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेन्द्र प्रधान जी द्वारा उनके प्रेरणादायक मार्गदर्शन के लिए अनुगृहीत हूँ। मैं इन प्रवेशिकाओं के सफल विकास एवं प्रकाशन हेतु गठित समिति के कार्यकारी समूहों के अध्यक्षों, सदस्यों तथा समन्वयकों को भी धन्यवाद देता हूँ। मैं आशा करता हूँ कि शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, एनसीईआरटी एवं सीआईआईएल का यह संयुक्त प्रयास मातृभाषा आधारित बहुभाषी शिक्षा के उत्थान हेतु राज्यों एवं शिक्षा के अभिकरणों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगा और बहुभाषी शिक्षा को प्रोत्साहन देने वाले एक राष्ट्रीय अभियान का रूप लेगा ताकि अपनी मातृभाषा का एवं अपनी मातृभाषा में अध्ययन करने के हर विद्यार्थी के अधिकार की रक्षा हो सके।

दिसंबर 2024
नई दिल्ली

प्रो. दिनेश प्रसाद सकलानी
निदेशक
राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, नई दिल्ली

भूमिका/Introduction

भारत सदियों से एक बहुभाषिक देश रहा है जहाँ कई भाषाएँ/मातृभाषाएँ बोली जाती हैं। यह देश की एक महत्वपूर्ण विशेषता है कि हम अपने दैनिक व्यवहार में कई भाषाओं का प्रयोग करते हैं जो हमें एक साथ बांधती हैं और एकजुट रखती हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 में इस बात पर अत्यधिक बल दिया गया है कि भारत की बहुभाषिक प्रकृति एक बहुत बड़ी संपत्ति है जिसका देश के सामाजिक-सांस्कृतिक, आर्थिक और शैक्षणिक विकास के लिए कुशलतापूर्वक उपयोग करने की आवश्यकता है। यह शिक्षा में हर स्तर पर बहुभाषावाद को बढ़ावा देने की अनुशंसा करती है ताकि विद्यार्थियों को अपनी भाषाओं में अध्ययन करने का अवसर प्राप्त हो सके। सभी भारतीय भाषाओं में शिक्षण-अधिगम सामग्री के सृजन से इस बहुभाषिक संपदा में वृद्धि होगी और इससे विकसित भारत के निर्माण में बेहतर योगदान हो सकेगा। एनईपी 2020 की अनुशंसाओं के अनुरूप, प्रारंभिक कक्षा की प्रवेशिकाओं के विकास के लिए एक व्यापक और समावेशी दृष्टिकोण की आवश्यकता है जो भारत के प्रत्येक क्षेत्र की अनोखी भाषाई और सांस्कृतिक विशेषताओं के अनुरूप हो। इन प्रवेशिकाओं का उद्देश्य प्रारंभिक कक्षा के छात्रों को पढ़ने और लिखने में प्रवीणता प्रदान करना और उनकी रचनात्मकता और आलोचनात्मक सोच को बढ़ावा देना है। यह किसी भाषा के प्रतीकों और उसकी वर्णमाला के अक्षरों के बोध, अभिज्ञान एवं उच्चारण की कुंजी है। ये प्रवेशिकाएं बच्चों को इन अक्षरों के एक या एक से अधिक समुच्चयों के अर्थ से भी अवगत कराती हैं जो उनके संयोजनों जैसे, शब्द में उन अक्षरों की आरंभिक, माध्यमिक या अंतस्थ स्थिति से बनते हैं। इसके अतिरिक्त, ये बाद में बताए गये अक्षरों के लेखन के अभ्यास को सुगम बनाने हेतु उदाहरण प्रस्तुत करते हैं और ये शिशुगीत/छंद/तुकांत बच्चों की भाषा तथा उनके संज्ञानात्मक कौशलों के विकास में भी सहायक सिद्ध होगी।

Bharat has been a multilingual country for ages, with many languages spoken in different regions of the country. Using multiple languages in our verbal repertoire is a common characteristic of the country; it binds us together and keeps us united. National Education Policy (NEP) 2020 strongly emphasises the idea, that the multilingual nature of Bharat is a huge asset that needs to be utilised efficiently for the socio-cultural, economic, and educational development of the nation. It recommends the promotion of multilingualism in education at every level so that learners get the opportunity to study in their own language(s). The creation of teaching-learning material in all Bharatiya languages will thus boost this multilingual asset and allow it to make a better contribution to ‘Viksit Bharat’. That said, developing early-grade primers in alignment with NEP 2020 requires a comprehensive and inclusive approach that addresses the unique linguistic and cultural characteristics of each region in India. These primers aim to provide not only language proficiency in reading and writing but also foster creativity and critical thinking among the early-stage learners. It is a key to pronouncing, recognising, comprehending letters of the alphabet and symbols of a language. It also familiarises children with the meaning of one or more sets of these letters made through their combinations such as letters in initial, medial and final positions of the word. Moreover, it provides examples that facilitate writing practice of the letters introduced later; and the rhymes will help students in their language development and cognitive skills.

നിരവധി ഭാഷകൾ/മാതൃഭാഷകൾ സംസാരിക്കുന്ന ഭാരതം നൂറ്റാണ്ടുകളായി ഒരു ബഹുഭാഷയും ബഹുസംസ്കാരവും കാത്തുസൂക്ഷിക്കുന്ന രാജ്യമാണ്. രാജ്യത്തിന്റെ ഈ പൊതുസ്വഭാവം നമ്മെ ഒരുമിപ്പിക്കുകയും ഒന്നിച്ചു നിർത്തുകയും ചെയ്യുന്നു. രാജ്യത്തിന്റെ സാമൂഹിക സാംസ്കാരിക സാമ്പത്തിക പുരോഗതിക്ക് അത്യന്താപേക്ഷിതമായ ഒരു വലിയ സമ്പത്താണ് ഇന്ത്യയുടെ ഈ ബഹുഭാഷിത്വം. അതുകൊണ്ടുതന്നെ ബഹുഭാഷിത്വം ഈ മേഖലകളിൽ ജാഗ്രതയോടെ ഉപയോഗിക്കേണ്ടതിനെക്കുറിച്ച് NEP 2020 ഊന്നിപ്പറയുന്നു. വിദ്യാഭ്യാസത്തിന്റെ എല്ലാ

തലങ്ങളിലും ബഹുഭാഷാവാദത്തെ പ്രോത്സാഹിപ്പിക്കുന്നതിന് ദേശീയ വിദ്യാഭാസനയം ശുപാർശ ചെയ്യുന്നു. വിദ്യാത്ഥികൾക്ക് അവരുടെ സ്വന്തം ഭാഷകളിൽ പഠിക്കാനുള്ള അവസരം ലഭിക്കുന്നതിന് വേണ്ടിയാണിത്. എല്ലാ ഇന്ത്യൻ ഭാഷകളിലും പുതിയ പഠന സാമഗ്രികൾ സൃഷ്ടിക്കുന്നത് ഈ ബഹുഭാഷാ സമ്പത്ത് വർദ്ധിപ്പിക്കാനും വികസിത കെട്ടിപ്പടുക്കുന്നതിനും സംഭാവന നൽകുകയും ചെയ്യും. NEP 2020 അനുസരിച്ച് ആദ്യകാല ഗ്രേഡ് പ്രവേശികകൾ വികസിപ്പിക്കുന്നതിന് ഓരോന്നിന്റെയും തനതായ ഭാഷാപരവും സാംസ്കാരികവുമായ സവിശേഷതകളെ അഭിസംബോധന ചെയ്യുന്ന, ഉൾക്കൊള്ളുന്ന സമീപനം ആവശ്യമാണ്. ഈ പ്രവേശിക ലക്ഷ്യമിടുന്നത് കേവലം വായനയിലും ഭാഷയിലുമുള്ള പ്രാവീണ്യം മാത്രമല്ല, മറിച്ച് പ്രാരംഭഘട്ടത്തിലുള്ള പഠിതാക്കളിൽ സർഗാത്മകതവും വിമർശനാത്മകവുമായ ചിന്തകൾ വന്നതുകൂടിയാണ്. ഒരു ഭാഷയുടെ ചിഹ്നങ്ങളെയും അതിന്റെ അക്ഷരമാലയെയും മനസ്സിലാക്കാനും ഉച്ചരിക്കാനും ഉള്ള താക്കോലാണിത്. ഈ അക്ഷരങ്ങളുടെ ഒന്നോ അതിലധികമോ സെറ്റുകൾ പഠിക്കാൻ ഈ നിർദ്ദേശങ്ങൾ കുട്ടികളെ സഹായിക്കുന്നു. ആ വാക്കിലെ അക്ഷരങ്ങളുടെ പദങ്ങളും എഴുതാനുള്ള പരിശീലനവും സുഗമമാക്കാം. അതുപോലെ നഴ്സറി ഗാനങ്ങൾ കുട്ടികളുടെ ഭാഷാപരമായ കഴിവുകളും ധാരണാശക്തിയും വളർത്താൻ സഹായിക്കും.

दिसंबर 2024
मैसूरु

प्रो. शैलेंद्र मोहन
निदेशक
भारतीय भाषा संस्थान, मैसूरु

CIIL-NCERT Primer Series: Malayalam Primer Development Team

Guidance

Dinesh Prasad Saklani, Director, NCERT, New Delhi
Shailendra Mohan, Director, CIIL, Mysuru
Chamu Krishna Shastry, Chairman, Bharatiya Bhasha Samiti (BBS), New Delhi

Advisors

Amarendra Prasad Behera, Joint Director, Central Institute of Educational Technology (CIET), NCERT, New Delhi
Awadesh Kumar Mishra, Chief Coordinator (Academic), BBS, New Delhi
Sandhya Singh, Professor, Department of Education in Languages, NCERT, New Delhi
Mohd. Faruq Ansari, Professor, Department of Education in Languages, NCERT, New Delhi
Pankaj Dwivedi, Assistant Director (Admin) i/c, CIIL, Mysuru
Ravindra Kumar, Associate Professor, CIET, NCERT, New Delhi

Coordinator

Ramanujam Meganathan, Professor, Department of Education in Languages, NCERT, New Delhi

Editorial Coordinator

Aleendra Brahma, Lecturer-cum-Junior Research Officer, CIIL, Mysuru

Resource Persons

Reshma A, TGT Malayalam, Kerala Education Senior Secondary School, Sector Viii Rk Puram, New Delhi
Saritha S.L, Senior Resource Person I, Linguistic Data Consortium for Indian Languages (LDC-IL), CIIL, Mysuru

Hindi Reviewer

Satyaendra Kumar Awasthi, Senior Resource Person II, LDC-IL, CIIL, Mysuru

Design Team

Nandakumar L, JRP (Technical), National Translation Mission, CIIL, Mysuru
Jewsnrang Basumatary, Resource Person (Teaching) in Bodo, North Eastern Regional Language Centre, (CIIL), Guwahati
Saravanan A S, Graphic Editor, Scheme for Protection and Preservation of Endangered Languages (SPPEL), CIIL, Mysuru
Shwetha K, Artist, Bharatavani, CIIL, Mysuru
Shobharani B, Data Input Operator, SPPEL, CIIL, Mysuru
G. Yuvaraj, Data Input Operator, SPPEL, CIIL, Mysuru

We sincerely acknowledge the copyright holders of the pictures used in this primer, anonymously and we also declare that the pictures are used for purely educational purposes only.

മലയാളം ഭാഷാപ്രവേശിക പഠിപ്പിക്കുന്നതെങ്ങനെ

ദേശീയ വിദ്യാഭ്യാസ നയം 2020, ദേശീയ പാഠ്യപദ്ധതി ചട്ടക്കൂട്, 2022 എന്നിവ മൂന്ന് മുതൽ എട്ട് വയസ്സുവരെയുള്ള കുട്ടികൾക്ക് അവരുടെ മാതൃഭാഷയിലും ഗൃഹഭാഷയിലും പ്രാദേശിക ഭാഷയിലും വിദ്യാഭ്യാസം നൽകുന്നതിൻറെ പ്രാധാന്യത്തിൽ ശ്രദ്ധ കേന്ദ്രീകരിക്കുന്നു. കുട്ടികളുടെ വാമൊഴിഭാഷ വികസിപ്പിക്കുന്നതിനും ഒരു കുട്ടി മനസ്സിലാക്കുകയും പഠിക്കുകയും ആശയവിനിമയം നടത്തുകയും ചെയ്യുന്നുണ്ടെന്ന് ഉറപ്പുവരുത്തുന്നതിനുമായി ഈ പ്രവേശിക പ്രത്യേകം രൂപകൽപ്പന ചെയ്യുകയും തയ്യാറാക്കുകയും ചെയ്തിട്ടുണ്ട്. കുട്ടികളുടെ വാമൊഴിഭാഷാ വൈദഗ്ധ്യം വർദ്ധിപ്പിക്കുന്നതിന്, ഓരോ വിഭാഗത്തിലും രണ്ടോ മൂന്നോ വാക്യങ്ങൾ അടങ്ങുന്ന ഹ്രസ്വഗാനങ്ങളോ ഉദ്ധരണികളോ ഉൾപ്പെടുത്തിയിട്ടുണ്ട്. ഈ പാട്ടുകളോ ഉദ്ധരണികളോ ഉച്ചത്തിൽ ആലപിച്ചും വായിച്ചും അധ്യാപകർക്ക് കുട്ടികളെ ചർച്ചകളിൽ ഉൾപ്പെടുത്താം. ത്രിഭാഷാ നയവും ഇന്ത്യ ഭാഷാപരമായ വൈവിധ്യമുള്ള രാജ്യവുമായതിനാൽ, ഈ പ്രവേശിക കുട്ടികളെ അവരുടെ മാതൃഭാഷയിൽ മാത്രമല്ല, മറ്റൊരു ഭാഷയുമായി പരിചയപ്പെടാനും സഹായിക്കുന്നു. ഉദാഹരണത്തിന്, മലയാളത്തിലെ ആന എന്ന വാക്ക് ഹിന്ദിയിൽ ഹാഥി എന്നാണ്. ഇത് കുട്ടികളുടെ അറിവ് വർദ്ധിപ്പിക്കാനും അതേ സമയം, ഇന്ത്യയെക്കുറിച്ചും അതിന്റെ വൈവിധ്യത്തെക്കുറിച്ചും അവരുടെ ചെറുപ്പം മുതൽ തിരിച്ചറിയാനും പ്രാപ്തമാക്കുന്നു. ഭാഷാപഠനത്തിനു പുറമേ, ഈ പുസ്തകം കുട്ടികൾക്കായി ശബ്ദങ്ങൾ, അക്ഷരമാല, വായന, എഴുത്ത്, പരിശീലനം എന്നിവയും പരിചയപ്പെടുത്തുന്നു. വസ്തുക്കളുടെ ചിത്രീകരണത്തിന്റെ സഹായത്തോടെ ഇരുപത് വരെയുള്ള അക്കങ്ങൾ ഉപയോഗിച്ച് എണ്ണുന്ന രീതിയും ഇത് അവതരിപ്പിക്കുന്നു.

ശബ്ദപരിചയം: കുട്ടികൾ ഓരോ ചിത്രവും നിരീക്ഷിച്ച് അനുബന്ധ വസ്തുവിന്റെ പേര് ഉപയോഗിച്ച് തിരിച്ചറിയും. ചിത്രവുമായി ബന്ധപ്പെട്ട വാക്കിന്റെ പ്രാരംഭശബ്ദം തിരിച്ചറിയാൻ അധ്യാപകർ വിദ്യാർത്ഥികളെ പ്രേരിപ്പിക്കും. ഉദാഹരണത്തിന്, അമ്മ എന്ന ചിത്രത്തിനൊപ്പം അവതരിപ്പിക്കുമ്പോൾ, അത് /അ/ ശബ്ദത്തിൽ തുടങ്ങുന്നതായി കുട്ടികൾ തിരിച്ചറിയും.

അക്ഷരപരിചയം: തുടക്കത്തിൽ, ടീച്ചർ 'അ' എന്ന അക്ഷരം കുട്ടികൾക്ക് അവതരിപ്പിക്കുന്നത് അതിന്റെ ദൃശ്യം പ്രദർശിപ്പിച്ചുകൊണ്ടാണ്. നൽകിയിരിക്കുന്ന വാക്കുകളുടെ ഒരു കൂട്ടത്തിൽ 'അ' എന്ന അക്ഷമായി ബന്ധപ്പെട്ട ശബ്ദം മൂന്നോ അതിലധികമോ വാക്കുകളിൽ ഉച്ചരിക്കുകയും 'അ' എന്ന അക്ഷരം എഴുതുന്നത് സ്വയം പരിചയപ്പെടുത്താൻ കൈയക്ഷര പരിശീലനത്തിൽ ഏർപ്പെടുകയും ചെയ്യും.

വായന: കുട്ടികൾ ചിത്രങ്ങൾ നോക്കി സ്വന്തം ഭാഷയിൽ വാക്കുകൾ സംസാരിക്കും. വാക്കുകൾക്ക് കുറുകെ ഇടത്തുനിന്ന് വലത്തോട്ട് വിരൽ ചലിപ്പിച്ചുകൊണ്ട് വാക്കുകൾ വായിക്കാൻ അവർ പഠിക്കും. 'അ' എന്ന അക്ഷരം അടങ്ങിയ വിവിധ പദങ്ങൾ ഉപയോഗിച്ച് പരിശീലിക്കുന്നതിലൂടെ, കുട്ടികൾക്ക് /അ/ എന്ന ശബ്ദം തിരിച്ചറിയാനും ഉച്ചരിക്കാനുമുള്ള കഴിവ് ലഭിക്കും. വാക്കുകളുടെ പ്രാരംഭ, മദ്ധ്യ, അന്ത്യ സ്ഥാനങ്ങളിൽ 'അ' എന്ന അക്ഷരത്തിന്റെ ഉദാഹരണങ്ങൾ തിരിച്ചറിയാൻ അധ്യാപകർ വിദ്യാർത്ഥികളെ നയിക്കുകയും, അത് വ്യത്യസ്ത വാക്കുകളിൽ വരുന്നതിനെക്കുറിച്ചുള്ള അവരുടെ ധാരണ വർദ്ധിപ്പിക്കുകയും ചെയ്യും.

അധ്യാപകർ ബ്ലാക്ക്ബോർഡിൽ 'അ' എന്ന അക്ഷരം പ്രദർശിപ്പിക്കുകയും മൂന്നോ അതിലധികമോ വാക്കുകൾക്കൊപ്പം 'അമ്മ' എന്ന വാക്ക് എഴുതുകയും ചെയ്യും. ഓരോ കുട്ടിയും ഓരോ വാക്കുകളും പറയും. കുട്ടികളുടെ പരിചിതമായ സന്ദർഭങ്ങളിൽ നിന്ന് എടുത്ത ഈ വാക്കുകൾ വായനയ്ക്കും അക്ഷരങ്ങൾ തിരിച്ചറിയുന്നതിനും ഉപയോഗിക്കും. പുസ്തകത്തിലെ ചിത്രങ്ങളുമായി ബന്ധപ്പെടുത്തി കുട്ടികൾ ഈ വാക്കുകൾ തിരിച്ചറിയും. ടീച്ചർ ഒരു വാക്ക് എഴുതുകയും ഓരോ അക്ഷരങ്ങളും വ്യക്തിഗതമായി വായിക്കാൻ കുട്ടികളെ

പ്രേരിപ്പിക്കുകയും തുടർന്ന് അക്ഷരങ്ങൾ ഒരുമിച്ച് കൂട്ടിച്ചേർത്ത് വാക്ക് വായിക്കുകയും ചെയ്യും.

എഴുത്ത്: തുടക്കത്തിൽ, അക്ഷരമാല അവതരിപ്പിക്കുന്നതിന് മുമ്പ്, കുത്തനെയുള്ള വര, നേർവര, ചരിഞ്ഞവര, വളഞ്ഞവര എന്നിങ്ങനെ വ്യത്യസ്തമായ വരകൾ എങ്ങനെ വരയ്ക്കാമെന്ന് അധ്യാപകർ കുട്ടികളെ പഠിപ്പിക്കും. അക്ഷരമാല അവതരിപ്പിച്ചു കഴിഞ്ഞാൽ, അമ്മ എന്ന വാക്കിൽ 'അ' എന്ന അക്ഷരം എങ്ങനെ എഴുതണമെന്ന് അധ്യാപകർ കുട്ടികളെ പഠിപ്പിക്കും. അവർ ശരിയായ പേന, പെൻസിൽ ചലനരീതി പരിശീലിപ്പിക്കുകയും കുട്ടികളെ എഴുത്തിൽ സഹായിക്കുകയും ചെയ്യും. ഈ അധ്യാപന രീതി 'എഴുത്ത് സഹായി' എന്നാണ് അറിയപ്പെടുന്നത്. തുടർന്ന്, പ്രവേശികയിൽ നൽകിയിരിക്കുന്ന ശൂന്യ ഇടങ്ങളിൽ അക്ഷരമാല റഫറൻസായി ഉപയോഗിച്ച് കുട്ടികൾ 'അ' എന്ന അക്ഷരം സ്വതന്ത്രമായി എഴുതാൻ പരിശീലിക്കും. ഈ പ്രവർത്തിനത്തിലുടനീളം, കുട്ടികൾ വായിക്കുകയും എഴുതുകയും ചെയ്യുമ്പോൾ അധ്യാപകർ മാർഗനിർദ്ദേശം നൽകും. കൂടാതെ, അധ്യാപകർക്ക് സ്കൂൾ ലൈബ്രറിയിൽ നിന്ന് കഥാപുസ്തകങ്ങൾ വായിക്കാനും കുട്ടികൾക്ക് എളുപ്പത്തിൽ മനസ്സിലാകുന്ന ഭാഷ ഉപയോഗിച്ച് കഥകൾ ചർച്ച ചെയ്യാനും കഴിയും. അടിസ്ഥാന ഘട്ടങ്ങളിലോ അല്ലെങ്കിൽ ബാലവാടിക I, II, III പോലുള്ള പ്രാഥമിക തലങ്ങളിലുള്ള കുട്ടികൾക്ക് എളുപ്പത്തിൽ മനസ്സിലാക്കാൻ കഴിയും, നഴ്സറി ഗാനങ്ങൾ രൂപത്തിലുള്ള കഥകളും കവിതകളും അതത് മാതൃഭാഷയിൽ പറഞ്ഞാൽ കൂടുതൽ രസകരമാകും. കുട്ടികൾക്ക് ഇതിനകം നൂറുകണക്കിന് വാക്കുകൾ പരിചിതമായതിനാൽ പ്രവേശികയിൽ നൽകിയിരിക്കുന്ന വാക്കുകൾ സാക്ഷരതയുടെ ചിത്രീകരണങ്ങളാണ്.

ചുവടെ നൽകിയിരിക്കുന്ന വരകൾ നോക്കി തന്നിരിക്കുന്ന സ്ഥലത്ത് വരയ്ക്കാൻ ശ്രമിക്കുക :

കുത്തനെയുള്ള വര :

നേർവര :

ചരിഞ്ഞ വര 1 :

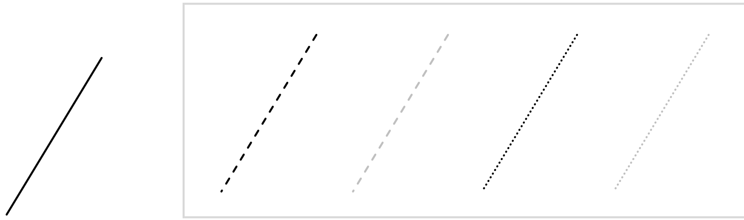

ചരിഞ്ഞ വര 2 :

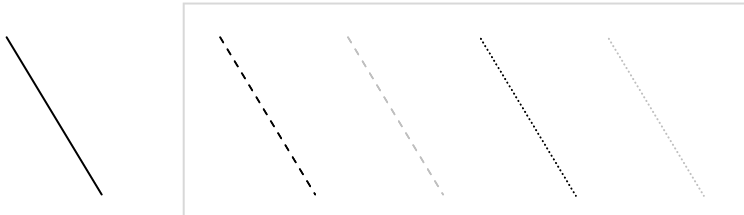

വളഞ്ഞ വര 1 :

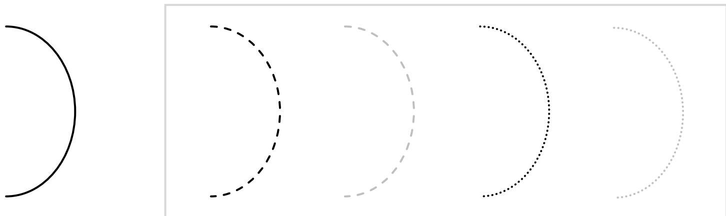

വളഞ്ഞ വര 2 :

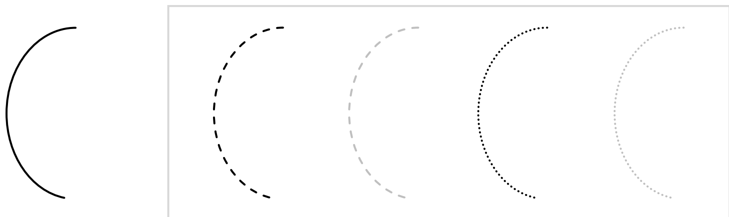

കുറിപ്പ്: നൽകിയിരിക്കുന്ന സ്ഥലങ്ങളിൽ പേന/പെൻസിൽ പിടിക്കാനും വരകൾ വരയ്ക്കാനും അധ്യാപകൻ പഠിപ്പിക്കും.

മലയാളം അക്ഷരമാല
(मलयालम वर्ण)

സ്വരാക്ഷരങ്ങൾ
(स्वर)

അ	ആ	ഇ	ഈ	ഉ	ഊ	ഋ
എ	ഏ	ഐ	ഒ	ഓ	ഔ	അം
അഃ						

വ്യഞ്ജനാക്ഷരങ്ങൾ
(व्यंजन)

ക	ഖ	ഗ	ഘ	ങ
ച	ഛ	ജ	ഝ	ഞ
ട	ഠ	ഡ	ഢ	ണ
ത	ഥ	ദ	ധ	ന
പ	ഫ	ബ	ഭ	മ
യ	ര	ല	വ	ശ
ഷ	സ	ഹ	ള	ഴ
റ				

ചില്ലക്ഷരങ്ങൾ

ർ	ൾ	ൽ	ൻ	ൺ

അ

അമ്മ

माँ

അമ്മ എന്റെ അമ്മ
പാലു തന്ന അമ്മ
എന്തു നല്ല പാല്
എന്തു നല്ല അമ്മ

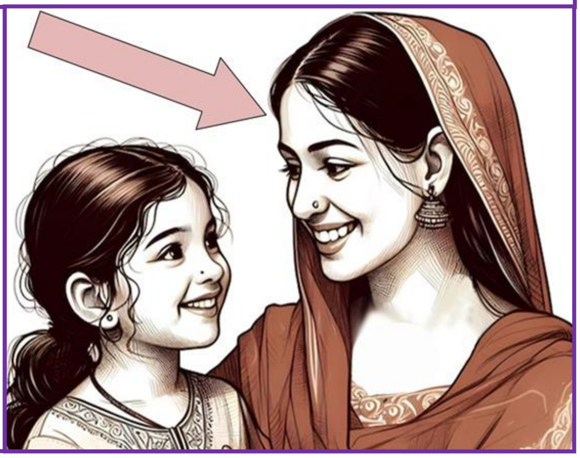

അരി	അലമാര	അണ്ണാൻ
चावल	अलमारी	गिलहरी

അ	അ	അ	

ആ

ആമ

कछुआ

ആന വരുന്നു കൂട്ടുകാരേ
ആനച്ചന്തം കാണാലോ
നാട്ടുകാരൊക്കെ വന്നാട്ടെ
ആലവട്ടം പിടിച്ചാട്ടെ..

ആൽമരം

वट वृक्ष

ആന

हाथी

ആമ്പൽ

कुमुदिनी

ആ ആ ആ

ഇ

ഇല

पत्ता

ഇത്തിരിപ്പൂവേ ചുവന്ന പൂവേ
ഇത്തിരിയല്ല നിൻ ചന്തം പൂവേ..

ഇഞ്ചി	ഇതൾ	ഇടിമിന്നൽ
अदरक	पंखुड़ी	आँधी–तूफान

ഇ ഇ ഇ

ഈ

ഈച്ച

मक्खी

ഈച്ച കടക്കാത്ത ഇല്ലമുണ്ടോ?
ഈറ്റ പൂക്കാത്ത കാടുണ്ടോ
ഈനാപേച്ചിക്ക് കൂട്ടിനാളുണ്ടോ?

ഈറ്റ	ഈന്തപ്പഴം	ഈയൽ
बाँस	खजूर	पतिंगा

ഈ ഈ ഈ

ഉ

ഉള്ളി

प्याज

ഉണരുവിൻ കിളികളേ
ഉണരുവിൻ വേഗം
ഉണർന്നു നോക്കിൻ മുറ്റത്തെ
മണമേകും മലർ മൊട്ടുകളെ..

ഉരൽ	ഉറി	ഉറുമ്പ്
ओखली	छीका	चींटी

ഉ	ഉ	ഉ	

ഊ

ഊഞ്ഞാൽ

झूला

അമ്മുവിനുണ്ടൊരു ഊഞ്ഞാല്
അച്ഛൻ കെട്ടിയ ഊഞ്ഞാല്
മാവിൻകൊമ്പത്തൂഞ്ഞാല്
ആടി രസിക്കാൻ ഊഞ്ഞാല്

ഊണ്	ഊത്ത്	ഊന്നുവടി
खाना	तुरही	छड़ी

ഊ ഊ ഊ

ഋ

ഋഷി

ऋषि

ആലിൽ ചോട്ടിൽ ഋഷിയുണ്ടേ
ഋഷിയെക്കാണാൻ ആളുണ്ടേ..

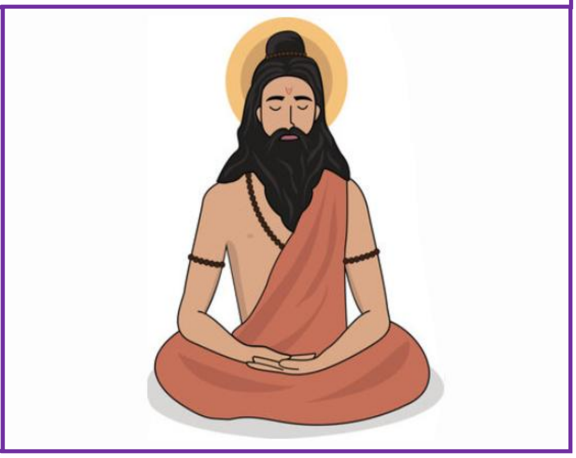

ഋഷഭം

साँड़

ഋക്ഷരം

काँटा

ഋചീഷം

कढ़ाई

ഋ ഋ ഋ

എ

എലി

चूहा

എലിയെപ്പിടിച്ചു പൂച്ച
പുലിയെക്കടിച്ചതീച്ച

എരുമ

भैंस

എണ്ണ

तेल

എട്ടുകാലി

मकड़ी

എ എ എ

ഏ

ഏണി

सीढ़ी

ഏണിയിലൂടെ കയറാം
ഏന്തിവലിഞ്ഞു കയറാം
ഏറുമാടത്തിൽ ഇരിക്കാം

ഏത്തപ്പഴം	ഏലം	ഏറുമാടം
केला	इलायची	मचान

ഏ	ഏ	ഏ	

ഐ

ഐരാവതം

ऐरावत

ഐസ്....ഐസ് ഐസ്ക്രീം
വേണമോ
തിന്നാൻ രസം കാണാൻ രസം
വാങ്ങിക്കോളൂ.....വാങ്ങിക്കോളൂ....

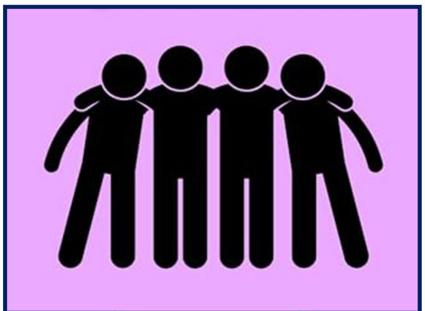

ഐക്യം	ഐസ്ക്രീം	ഐസ്
एकता	आइसक्रीम	बर्फ

ഐ ഐ ഐ

ഒ

ഒട്ടകം

ऊँट

ഒന്നും ഒന്നും രണ്ടാണേ നമുക്ക്
കൈകൾ രണ്ടാണേ

ഒട്ടകപക്ഷി

शुतुरमुर्ग

ഒച്ച്

घोंघा

ഒലിവ്

जैतून

ഒ	ഒ	ഒ	

ഓ

ഓല

नारियल पत्ता

ഓണത്തപ്പനെ വരവേൽക്കാൻ
ഓണക്കോടി ഉടുക്കാമോ
ഓണപ്പാട്ടുകൾ പാടാമോ
ഓണസദ്യയൊരുക്കാമോ...

ഓന്ത്

गिरगिट

ഓറഞ്ച്

संतरा

ഓടക്കുഴൽ

बाँसुरी

ഓ ഓ ഓ

ഔ

ഔഷധം

औषधि

ഔദ്ധത്യമില്ലാതെ
ഔദാര്യശീലരായ്
ഔത്സുക്യമോടെ നാം
ഔന്നത്യം നേടണം

ഔലോത്ത്

पोहा

ഔർവ്വം

नमक

ഔൺസ്

मापक

ഔ ഔ ഔ

അം

അംബുജം

कमल

അംബരമുറ്റത്ത് അമ്പിളിമാമൻ
ചിരിച്ചിനിൽക്കും നേരത്ത്
അംബുജമെല്ലാം ഉറക്കമായി

അംബരം

आकाश

അംശു

किरण

അംഗുലി

उँगली

അം അം അം

അഃ

ദുഃഖം

दुःख

തേൻ മാവിൻ കൊമ്പത്തെ
കുഞ്ഞിതത്തേ...
ദുഃഖിച്ചിരിക്കുന്നതെന്തിനു നീ
ദുഃഖിച്ചിരിക്കാതെ അംബരം
മുട്ടെ നീ
പാറിപ്പറന്നു നടന്നീടുക..

അഃ അഃ

മനഃശാസ്ത്രം

मनोविज्ञान

അഃ അഃ

അഃ അഃ അഃ

ക

കലം

मटका

കഥകൾ പറയും അമ്മൂമ്മ
കഥകൾ ചൊല്ലി തന്നീടും
കവിതകൾ ചൊല്ലി തന്നീടാൻ
കരിവള ഇട്ടൊരു കുഞ്ഞേച്ചി

കടുവ

बाघ

കടല

चना

പലക

चौकी

ക ക ക

ഖ

നഖം

नाखून

വെളിച്ചം ദുഃഖമാണുണ്ണീ
തമസ്സല്ലോ സുഖപ്രദം

ശംഖുപുഷ്പം	മുഖംമൂടി	ശംഖ്
अपराजिता	मुखौटा	शंख

ഖ ഖ ഖ

ഗ

ഗദ

गदा

കാലത്തു വേഗത്തിലുണരേണം
വേഗത്തിൽ പല്ല് തേച്ചിടേണം
നല്ല ഗുണങ്ങൾ പഠിക്കേണം
എല്ലാരിലും ഗുണമേകേണം

ഗുഹ	ഗോതമ്പ്	നാഗം
गुफा	गेहूँ	साँप

ഗ ഗ ഗ

ഘ

ഘടികാരം

घड़ी

വർഷകാലം വന്നുചേർന്നാൽ
വിണ്ണിൽ നിറയെ കാർമേഘം

മേഘം

बादल

ആഘോഷം

त्योहार

ഘടം

घड़ा

ഘ ഘ ഘ

ങ

തേങ്ങ

नारियल

ചുണ്ടങ്ങ കൊടുത്ത്
വഴുതിന വാങ്ങരുത്

നാരങ്ങ	മൂങ്ങ	മത്തങ്ങ
नींबू	उल्लू	कद्दू

ങ	ങ	ങ	

ച

ചക്ക

कटहल

ചാഞ്ചാടുണ്ണി ചാഞ്ചാട്
ചാഞ്ചക്കം ചാഞ്ചക്കം ചാഞ്ചാട്
ചാഞ്ചക്കം ചാഞ്ചക്കം മരം വെട്ടി
ചതുരത്തിൽ നീ പടി കെട്ട്

ചപ്പാത്തി	ചക്രം	ചെവി
चपाती	पहिया	कान

ച ച ച

ച

അച്ഛൻ

पिता

എന്തു നല്ല വീട്
ഞാൻ പിറന്ന വീട്
അച്ഛനുണ്ട് വീട്ടിൽ
അച്ഛനാണ് ദൈവം

ഛത്രം

छाता

ഛായ

परछाई

ഛാഗം

बकरी

ച ച ച

ജ

ജനൽ

खिड़की

എന്റെ സ്വന്തം വീട്
ചന്തമുള്ള വീട്
കല്ല് കൊണ്ട് ഭിത്തി
കമ്പികൊണ്ട് ജനൽ
എന്തു നല്ല വീട്

ജലം	ജിറാഫ്	ജമന്തി
पानी	जिराफ	गेंदा

ജ ജ ജ

ഝ

ഝഷം

मछली

ഝുക്ക് ഝുക്ക് ഝുക്ക് തീവണ്ടി
ചൂളം വിളിക്കും തീവണ്ടി
കൂകി പായും തീവണ്ടി

ഝല	ഝൂല	ഝാലി
झींगुर	झूला	आम का आचार

ഝ ഝ ഝ

ഞ

ഞാറ്

धान का पौधा

ഞായർ വന്നു , ഞായർ വന്നു
ഞാവൽപ്പഴം തിന്നു

ഞണ്ട്

केकड़ा

ഞാവൽ

जामुन

ഞാഞ്ഞൂൽ

केंचुआ

ഞ ഞ ഞ

ട

വട

वड़ा

കടയിൽ നിറയെ വടയുണ്ട്
വട തിന്നീടാൻ കൊതിയുണ്ട്

വീട്	തടി	പാടം
घर	लकड़ी	खेत

ട	ട	ട	

ഠ

മിഠായി

कैंडी

അപ്പവും കുട്ടുവും മിഠായി
കൊണ്ടൊരു
കൊട്ടാരമുണ്ടാക്കി വീട്ടിനുള്ളിൽ
മിഠായികൊട്ടാരം കാണുവാൻ
ഈച്ച കുഞ്ഞുങ്ങൾ പാറിവന്നു

പീഠം

स्टूल

പഠനം

अध्ययन

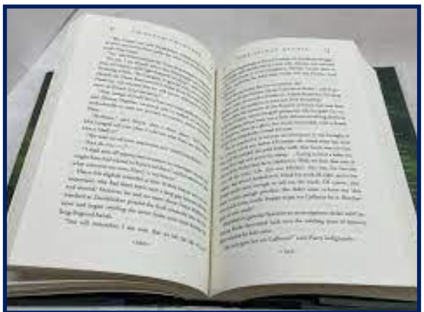

പാഠം

पाठ

ഠ ഠ ഠ

ഡ

റേഡിയോ

रेडियो

ഡും ഡും പട പട ഡും ഡും പട പട
കൊട്ടും കുഴലും കേൾക്കുന്നുണ്ട്
ഉത്സവമായി ഉത്സവമായി
അമ്പലമുറ്റം നിറഞ്ഞുലോ

ഡപ്പി	ഗരുഡൻ	ഡമരു
डिब्बा	गरुड़	डमरू

ഡ ഡ ഡ

ഢ

ഇഡ്ഢലി

इडली

ഢും ഢും ഇഡ്ഢലി രാമന്
ഇഡ്ഢലി തിന്നാനാശ

ഢക്ക	ഢൌനകം	ഢാലം
ढक्का	उपहार	ढाल

ഢ	ഢ	ഢ	

ണ

വീണ

वीणा

പാടത്തു പോകണം
ഞണ്ടിനെ പിടിക്കണം
കറുമുറെ തിന്നണം
പാറമേൽ കേറണം

മണൽ	കിണർ	മണി
रेत	कुआँ	घंटी

ണ ണ ണ

ത

തവള

मेढ़क

തപ്പോ തപ്പോ തപ്പാണി
തപ്പുകുടുക്കയിൽ എന്തുണ്ട്
മുത്തശ്ശി തന്നൊരു മുത്തുണ്ട്
മുത്തിനു മുങ്ങാൻ തേനുണ്ട്

തത്ത	തക്കാളി	തടാകം
तोता	टमाटर	झील

ത	ത	ത	

ഥ

കഥകളി

कथकली

അമ്മ പറഞ്ഞൊരു കഥയാണ്
അണ്ണാൻ കുഞ്ഞിൻ കഥയാണ്
കേൾക്കാൻ നല്ലൊരു കഥയാണ്

രഥം

रथ

വീഥി

रास्ता

ജാഥ

जुलूस

ഥ ഥ ഥ

ദ

ദർപ്പണം

दर्पण

വിദ്യ വിട്ട നരനുണ്ടോ
വിദ്യ കൈവശമുണ്ടെങ്കിൽ
വിദ്യ തന്നെ മഹാധനം

ദീപം	ദൂരദർശിനി	ദോശ
दीपक	दूरबीन	डोसा

ദ	ദ	ദ	

ധ

ധനുസ്സ്

धनुष

വിദ്യാധനം സർവ്വധനാൽ പ്രധാനം
ഈ ധനം ആർജ്ജിച്ചില്ലേൽ
ജീവിതവിജയം സാധ്യമേ അല്ല

ധാന്യം

अनाज

ധനം

धन

ധട

तराजू

ധ ധ ധ

ന

നദി

नदी

ആനയ്ക്ക് കൊമ്പുകൾ
വായിലാണേ
ആടിന് കൊമ്പുകൾ
തലയിലാണേ..

നെല്ലിക്ക

आँवला

നക്ഷത്രം

तारा

നരി

लोमड़ी

ന	ന	ന	

പ

പന

ताड़

പൂച്ച നല്ല പൂച്ച
വൃത്തിയുള്ള പൂച്ച
പാലു വച്ച പാത്രം
വൃത്തിയാക്കി വെച്ചു

പൂച്ച	പമ്പരം	പട്ടി
बिल्ली	लट्टू	कुत्ता

പ	പ	പ	

ഫ

ഫാൻ

पंखा

ഫലങ്ങൾ പലതരം
ഫലിതം പല വിധം
ഫലിതം പലരും പറയും
ഫലിതം പലതും പറയും

ഫയൽ	ഫലം	ഫുട്ബോൾ
फाइल	फल	फुटबॉल

ഫ ഫ ഫ

ബ

ബലൂൺ

गुब्बारा

ബലൂൺ പല നിറമാണേ
ബലൂൺ മെല്ലെ അമരും
ബലൂൺ മെല്ലെ വലിഞ്ഞകലും
പല നിറമുള്ള ബലൂണുകളാണേ..

ബദാം	ബസ്സ്	ബക്കറ്റ്
बादाम	बस	बाल्टी

ബ ബ ബ

ഭ

ഭാരതം

भारत

ഭരണി നിറയെ മാങ്ങ
ഭാമ നിറച്ച മാങ്ങ
കുംഭത്തിൽ മഴപെയ്താൽ
ഭരണി തുറന്നു തിന്നാം

ഭൂമി

धरती

ഭരണി

जार

ഭൂപടം

मानचित्र

ഭ ഭ ഭ

മ

മയിൽ

मोर

മാവിലേറിയ കുരങ്ങച്ചാ
മാമ്പഴമോന്നു പറിച്ചു തരൂ
മാമ്പഴമില്ലട മരമണ്ടാ
മാവില് നിറയെ ഉറുമ്പാണേ

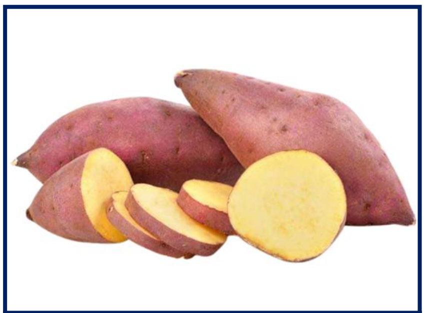

മധുരക്കിഴങ്ങ്

शकरकंद

മുതല

मगरमच्छ

മഴവില്ല്

इंद्रधनुष

മ	മ	മ	

യ

മുയൽ

खरगोश

കുയിലേ കുയിലേ കുയിലമ്മേ
കൂകാൻ ആര് പഠിപ്പിച്ചു
കള്ളി കുയിലേ പുള്ളിക്കുയിലേ
ചൊല്ലുക വേഗം പൂങ്കുയിലേ..

കയർ

रस्सी

വയലിൻ

वायलिन

ചായ

चाय

യ യ യ

ര

കരിമ്പ്

गन्ना

കൊച്ചുകുഞ്ഞിനച്ഛനൊരു
റൊട്ടി വാങ്ങി വന്നു
കണ്ടിരുന്ന ചെമ്പരുന്ത്
റാഞ്ചി കൊണ്ടു പോയി

കുരുവി

गौरैया

പേരയ്ക്ക

अमरूद

കസേര

कुर्सी

ര ര ര

ല

വല

जाल

കുളത്തിലുണ്ടൊരു തവള കുട്ടൻ
ക്രോം ക്രോം തവള കുട്ടൻ
മുതല വരുന്നതു കണ്ടെന്നാല്
ബ്ലും ബ്ലും മുങ്ങും കുട്ടൻ

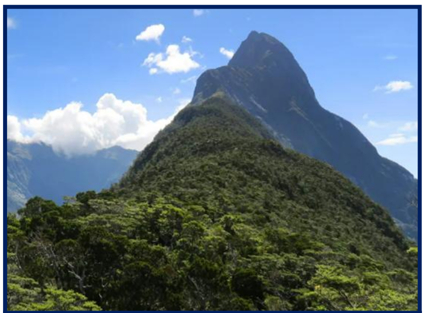

മല

पहाड़

തലയണ

तकिया

ചങ്ങല

जंजीर

ല ല ല

വ

വള

चूड़ी

വായിച്ചാലും വളരും
വായിച്ചില്ലെങ്കിലും വളരും.
വായിച്ചാൽ വിളയും
വായിച്ചില്ലെങ്കിൽ വളയും

വള്ളം

नाव

പാവയ്ക്ക

करेला

വണ്ട്

गोबरैला

വ വ വ

ശ

മേശ

मेज

മുത്തുപോലൊരു മുത്തശ്ശി
കാണാൻ ചേലുള്ള മുത്തശ്ശി
മുത്തശ്ശി തന്നൊരു മുത്തുണ്ട്

ശലഭം	വിശറി	പശു
तितली	पंखा	गाय

ശ	ശ	ശ	

ഷ

മഷി

स्याही

മഷി എടുത്തൊഴിക്കരുതേ
പറഞ്ഞാൽ പിന്നെ കേട്ടോണം
വേഷം കെട്ടലെടുക്കരുതേ
ശേഷം നല്ല പണിയാണേ..

ഷർട്ട്

कमीज

ഷൂസ്

जूता

കൺമഷി

काजल

ഷ ഷ ഷ

സ

സൂര്യകാന്തി

सूरजमुखी

സൂര്യൻ ഉദിച്ചല്ലോ
ഓണം വന്നല്ലോ
പൂവ് പറിച്ചല്ലോ
പായസം കുടിച്ചല്ലോ

സിംഹം

शेर

സഞ്ചി

थैला

സദ്യ

भोजन

സ സ സ

ഹ

ഹാരം

हार

നിമ്മി ചിരിച്ചു ഹി ഹി ഹി..
അമ്മ ചിരിച്ചു ഹ ഹ ഹ..
നിമ്മിയും അമ്മയും
ഒത്തുചിരിച്ചു
ഹി ഹി.. ഹൊ.. ഹൊ...

ഹംസം

हंस

ഹസ്തം

हाथ

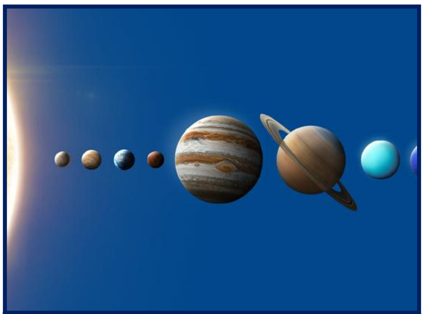

ഗ്രഹം

ग्रह

ഹ ഹ ഹ

ള

തുളസി

तुलसी

തുള്ളിക്കൊണ്ട് വരുന്നുണ്ടേ
തുള്ളിക്കൊരു കുടം മഴയാണേ
കൊള്ളാമീ മഴ, കൊള്ളരുതീ മഴ
കൊള്ളാം കൊള്ളാം പെയ്യട്ടെ !!!

ചോളം

भुट्टा

ഉരുളക്കിളങ്ങ്

आलू

മാതളം

अनार

ള ള ള

ഴ

കോഴി

मुर्गा

മഴ മഴ മഴ മഴ വന്നു
മഴയത്തൂടി നടന്നൂ ഞാൻ
അച്ഛൻ കണ്ടു അടിതന്നു
നല്ലൊരു പുള്ളി കുടയും തന്നു

വാഴ	കഴുത	മാമ്പഴം
केले का पेड़	गधा	आम

ഴ	ഴ	ഴ	

റ

മുറം

सूपा

ഉറുമ്പുറുമ്പു ചോനനുറുമ്പ്
കുറുമ്പു കാട്ടും ചോനനുറുമ്പ്
കുറു കുറുമ്പൻ ചോനനുറുമ്പ്
ഭരണിക്കുള്ളിൽ പെട്ടുറുമ്പ്

റാന്തൽ	പറവ	കറി
लालटेन	चिड़िया	सब्जी

റ	റ	റ	

സ്വരം	മാത്ര	ഉദാഹരണം	ചിത്രം
അ	◌	കരടി	
ആ	◌ാ	വാതിൽ	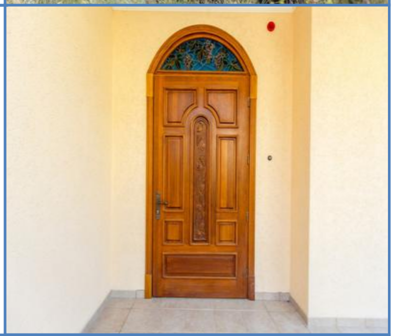
ഇ	◌ി	ചിലന്തി	
ഈ	◌ീ	ചീര	
ഉ	◌ു	കുതിര	

സ്വരം	മാത്ര	ഉദാഹരണം	ചിത്രം
ഊ	◌ൂ	തൂവൽ	
ഋ	◌ൃ	വൃക്ഷം	
എ	െ◌	ചെമ്പരത്തി	
ഏ	േ◌	ചേമ്പ്	
ഐ	ൈ◌	മൈന	

സ്വരം	മാത്ര	ഉദാഹരണം	ചിത്രം
ഒ	◌ൊ	കൊതുക്	
ഓ	◌ോ	കോടാലി	
ഔ	◌ൌ	നൗക	
അം	◌ം	പാത്രം	
അഃ	◌ഃ	നമഃ	

ചില്ലക്ഷരങ്ങൾ	ഉദാഹരണം	ചിത്രം
ർ	പയർ	
ൾ	മഞ്ഞൾ	
ൽ	കൂന്തൽ	
ൻ	മാൻ	
ൺ	സ്പൂൺ	

വരൂ, എണ്ണാം എഴുതാം :

1	ഒന്ന്		एक
2	രണ്ട്		दो
3	മൂന്ന്		तीन
4	നാല്		चार
5	അഞ്ച്		पाँच
6	ആറ്		छः
7	ഏഴ്		सात
8	എട്ട്		आठ
9	ഒൻപത്		नौ
10	പത്ത്		दस

11	പതിനൊന്ന്		ग्यारह
12	പന്ത്രണ്ട്		बारह
13	പതിമൂന്ന്		तेरह
14	പതിനാല്		चौदह
15	പതിനഞ്ച്		पन्द्रह
16	പതിനാറ്		सोलह
17	പതിനേഴ്		सत्रह
18	പതിനെട്ട്		अठारह
19	പത്തൊൻപത്		उन्नीस
20	ഇരുപത്		बीस

ചുവടെ നൽകിയിരിക്കുന്ന അക്കങ്ങൾ എഴുതാം :				
1	1	1	1	
2	2	2	2	
3	3	3	3	
4	4	4	4	
5	5	5	5	
6	6	6	6	
7	7	7	7	
8	8	8	8	
9	9	9	9	
10	10	10	10	

11	11	11	11	
12	12	12	12	
13	13	13	13	
14	14	14	14	
15	15	15	15	
16	16	16	16	
17	17	17	17	
18	18	18	18	
19	19	19	19	
20	20	20	20	

हिंदी वर्ण

स्वर						
अ	आ	इ	ई	उ	ऊ	ऋ
ए	ऐ	ओ	औ	अं	अः	

व्यंजन				
क	ख	ग	घ	ङ
च	छ	ज	झ	ञ
ट	ठ	ड	ढ	ण
त	थ	द	ध	न
प	फ	ब	भ	म
य	र	ल	व	श
ष	स	ह		
क्ष	त्र	ज्ञ		
श्र	ड़	ढ़		

ePathshala

Step-by-Step guide for users to access e-resources linked to QR Codes

The coded box placed on the first page of every chapter is called quick Response (QR) Code. It will help you to access e-resources such as audios, videos, multi-media, texts, etc. related to themes given in the chapter. The first QR code is to access the complete e-textbook. The subsequent QR codes will help you access the relevant e-resources linked to each chapter. This will help you enhance your learning in a joyful manner.

Follow the steps given below and access the e-Resources through your smartphone or tablet using ePathshala

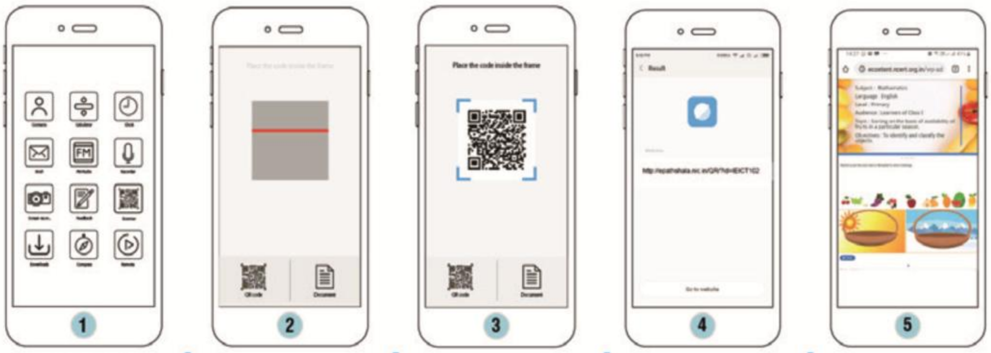

1. Install ePathshala Scanner app from Play Store and open
2. Get ready with QR code scanning window
3. Place scanner above the QR code
4. Select and click on the link
5. Use available e-Resource

For accessing the e-Resources using e-Pathshala on desktop or laptop follow the step stated below:

Go to https://epathshala.nic.in/topics.php and enter the alphanumeric code given below the QR code

DIKSHA

Download **DIKSHA** app from Google Playstore and follow the steps given below and access the e-Resources through your smartphone or tablet using **DIKSHA**

1. Select preferred language
2. Choose your role: Student or Teacher
3. Grant access and allow app permissions
4. Tap to scan the QR code
5. Focus camera on the QR code in textbook
6. Click to Play QR code specific e-resource(s)

For accessing the e-Resources using DIKSHA on desktop or laptop follow the step stated below:

Go to https://diksha.gov.in/resources and enter the alphanumeric code given under the QR code

PREPARATION OF BILINGUAL PRIMERS (EARLY GRADE) FOR BHARATIYA LANGUAGES JOINTLY BY CIIL & NCERT

PRIMERS DEVELOPED IN PHASE-I (54)

SN	Language
1	ANAL
2	ANGAMI
3	AO
4	ASSAMESE
5	BHUTIA
6	BODO
7	DEORI
8	DESIA
9	DIMASA
10	GADABA (GUTOB)
11	GARO
12	HALABI (HALBI)
13	HMAR
14	JATAPU (KUVI)
15	JUANG
16	KABUI (RONGMEI)
17	KARBI
18	KHANDESHI
19	KHARIA
20	KINNAURI
21	KISAN (KUNHU)
22	KODAVA (COORGI/KODAGU)
23	KONDA
24	KORKU
25	KOYA
26	KUI
27	KUKI
28	KURUKH/ORAON
29	KUWI
30	KUZHALE (KHEZHA)
31	LIANGMAI
32	LIMBU
33	LOTHA
34	MANIPURI
35	MAO
36	MISHMI
37	MISING
38	MIZO
39	MOGH
40	MUNDARI
41	NEPALI
42	NYISHI (NISSI)
43	RAI
44	SANTALI (ODISHA)
45	SANTALI (WEST BENGAL)
46	SAVARA (SORA)
47	SHERPA
48	SÜMI (SEMA)
49	TAMANG
50	TANGKHUL
51	TANGSA
52	TIWA (LALUNG)
53	TULU
54	WANCHO

PRIMERS DEVELOPED IN PHASE-II (25)

SN	Language
55	ADI
56	BHUMIJ
57	CHANG
58	GONDI
59	HALAM
60	HO
61	KHIAMNIUNGAN
62	KOCH
63	KODA (KORA)
64	KOLAMI
65	KOM
66	KONYAK
67	LADAKHI
68	LEPCHA
69	MARA (LAKHER)
70	MARAM
71	NOCTE
72	PASHTO
73	POCHURY
74	RABHA
75	RENGMA
76	SHINA
77	TAMIL
78	TIBETAN
79	YIMKHIUNG (YIMCHUNGRE)

PRIMERS DEVELOPED IN PHASE-III (25)

SN	Language
80	BENGALI
81	BHILI
82	BISHNUPRIYA MANIPURI
83	CAR NICOBARESE (PŪ)
84	DOGRI
85	GUJARATI
86	KANDHA (KONDH)
87	KANNADA
88	KHASI
89	KONKANI
90	KORWA
91	LAHAULI
92	MAITHILI
93	MALAYALAM
94	MALTO
95	MARATHI
96	MARING
97	MONPA
98	MUNDA
99	NANCOWRY (MÖŪT)
100	ODIA
101	PARJI (DURUA)
102	PHOM
103	PUNJABI
104	TELUGU

PRIMER DEVELOPMENT IN PROGRESS (18)

SN	Language
105	BALTI
106	CHOKRI
107	GANGTE
108	GONDI-TELUGU
109	HINDI
110	KASHMIRI
111	KOKBOROK (TRIPURI)
112	LAI (PAWI)
113	PAITE
114	SANGTAM
115	SANSKRIT
116	SANTALI (JHARKHAND)
117	SINDHI
118	THADOU-KUKI
119	URDU
120	VAIPHEI
121	ZEME (ZEMI)
122	ZOU

भारतीय भाषा संस्थान
Central Institute of Indian Languages
(Department of Higher Education, Ministry of Education, GoI)
Manasagangotri, Mysuru - 570 006
0821 2515820 (Director) / ada-ciilmys@gov.in

विद्ययाऽमृतमश्नुते
एन सी ई आर टी
NCERT
राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
National Council of Educational Research and Training
Sri Aurobindo Marg
New Delhi - 110016
011 2696 2580 / dceta.ncert@nic.in